

Series of lectures on various topics were conducted on JAS platform:

List of lectures held by JAS (4th July, 2022 - 30th June, 2023): -

Lecture No.	Date	Speaker	Topic of Talk
1	05.7.2022	Dr. C. Devakumar	RTM on why souls are with karma since eternity.
2	12.7.2022	Dr. Bhaskar Bhagchand Jain	Jainism in Srilanka
3	26.7.2022	Dr. Renuka Porwal	Archaeological remains of Mathura, with special reference to kankali Tila
4	09.8.2022	Dr. Varsha Shah	Siddhasen Diwakar's Contribution to Jain Thought.
5	23.8.2022 & 30.8.2022	Dr. Mayank Badjatia	48 infinity energy . sacred geometry of Bhaktamar Stotra : Scientific Yantras and interpretation of each Bhaktamar Stotras as per individual's bio-energies
6	06.9.2022	Dr. Renuka Porwal	Traces of Indus Valley Civilization
7	13.9.2022	Prof. Priyadarshana	A brief analysis of Sruta jnana
8	18.10.2022	Mr. Dilip Jain	micro cosmos & macro cosmos, know myself and you shall know the universe and the Gods.
9	08.11.2022	Dr. Vermon Neppe	Gimmel, TDVP and reality
10	15.11.2022	Dr. Surendra Singh Pokharna	TDVP model & its similarity with Jainism
11	22.11.2022		JAS BUSINESS MEETING
12	20.12.2022	Dr. Veersagar Jain	जैन दर्शन में द्रव्य गुण पर्याय
13	27.12.2022	Dr. S. L. Godawat	Gommatsar Jiv Kand (Class) on Samyaktv margana
14	03.1.2023	Dr. S. L. Godawat	Gommatsar Jiv Kand (Class) on Samyaktv margana
15	17.1.2023	Samani Dr. Shashi Pragy	Origin and Development of Jain Doctrine of Anekant
16	24.1.2023	Dr. Narendra Bhandari	Scientific aspects of Dravya
17	31.1.2023		JAS BUSINESS MEETING
18	21.2.2023	Dr. Anil Kumar Jain lead the discussion	RTM on Scientific Aspects of Dravya
19	28.2.2023	Dr.Surendra Singh Pokharna	Quantum Hologram
20	21.3.2023	Prof Shreyansa Jain	Nayavada ,Syadvada evam anekanta Mein Antarsambandha
21	28.3.2023	Prof Priyadarshana Jain	Jain Food and Thought - A Holistic Approach - Part 1
22	08.4.2023	Dr. Dharamchand Jain lead the discussion	RTM - 2 on Scientific Aspects of Dravya (Pudgal)
23	11.4.2023	Dr. Varsha Shah	Dialogues between Kesi muni & king Pradesi. (Raipaseniya sutra)

24	25.4.2023 & 29.4.2023	Dr. Lata Bothra	चौबीस तीर्थकर -- पुरासाक्ष्यों एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में
25	02.5.2023	Pujya muni shri Adarsh chandra ji	Prasun Wellness System of Jainism
26	09.5.2023	Dr. Dharamchand ji & Dr. Kachhara ji lead the session	RTM - 3 on Scientific Aspects of Dravya (Pudgal)
27	16.5.2023	Samani Dr. Shashi Pragya	Environment Protection via Jain Business Ethics
28	06.6.2023	Dr. N. L. Kachhara ji lead the session	RTM -4 on Scientific Aspects of Dravya (Pudgal)
29	27.6.2023	Dr. G. C. Jain	Dr. G. C. Jain Jainism Science Vs Modern Science

Weekly lectures and Round Table discussions (on Pudgal) by eminent scholars are continuing regularly All above lectures are available on JAS YouTube Channel Link: https://youtube.com/c/JainAcademyofScholars_SSRI

We have almost uploaded 231 videos of which approx. maximum 450 are viewers and 326 are subscribers for JAS Channel.

Two courses are currently going on for 2023 by JAS/SSRI.

Classes conducted under the Samaysar project:

Weekly classes on Sunday about Samaysar are still going on regularly @ SSRI.

- Samaysar: Lt. Shri Pt. Romesh Bhai Shah, our Samaysar Guru who passed away on 20th November, 2022 was taking samaysar class for almost 2yrs. month earlier. Now it is continued by Pt. Dipakbhai Kotadia, since June 2023.
- Shri Gommatsar Jiv Kand: by Dr. C. Devakumar w.e.f. 21st June, 2022 is continuing.

4. Activities and Projects done by JAS Fellows:

Dr. Anil Kumar Jain

No. of articles published: 6

1. जैन कर्म सिद्धांत: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में (अर्हत् वचन, मार्च 2022, but this volume came sometimes in October 2022)
2. लोभ (जिनवाणी, नवंबर 2022)
3. जैन भोजन पद्धति और उसकी महत्ता (जिनवाणी, जुलाई 2022)
4. कुछ विचारणीय बिंदु (जिनवाणी, मई 2023)
5. जैन दर्शन में अष्टांग निमित्त विवेचन (अर्हत् वचन, दिसंबर 2022)
6. प्राचीन तीर्थ अंकलेश्वर (प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार, अगस्त 2022)

No. of books published: 2

- (a) Some unanswered questions of life (June 2023)
- (b) A brief introduction to Jainism (June 2023)

Seminar attended: 4

1. भाग्य और पुरुषार्थ with special reference to समवाय, organised by Shri Gautam Muni ji, Vyavar (Rajasthan)
2. कल्याण मंदिर स्तोत्र, organised by अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत् परिषद...

Dr Bipin Doshi will be on a lecture tour of USA and will conduct 16 workshops on Scientific Foundations of Jain principles and practices during 27th June 23 September, 2023. We Congratulates, Dr Bipin Doshi for the great international Honour by JAINA Presidential Award 2023 for his

outstanding contributions to the objectives of the Federation..This is a well deserved recognition of your Monumental contributions over so many decades. We at Jain Academy of Scholars are proud of our association with you and looking forward to working under your guidance in future.

Dr. Dharam C. Jain

1. My one book 'Chintan Ke Āyāma , volume 3' is published.
 2. A paper entitled ' Causality in Jaina Philosophy and its Practicability'. in Shramana, July-December, 2022.
 3. Preface (as Prarochana) in Vasudev Hindi, a Prakrit book, published from Prakrit Bharati Academy, Jaipur in 2023.
 4. Joined as professor, Endowment Chair (Guru shri Atmavallabh- Samudrasuri Akshaya-Jñāna nidhi Peeth) Teerthanker Mahaveer university, Moradabad.
 5. I presented papers in the following seminars-
 1. National seminar on 'Prakrit Language and literature during last 150 years' by LBS National Sanskrit University, NewDelhi on 20th December 2022
 2. National seminar on fundamental values in Prakrit literature by ML Sukhadia University, Udaipur
 6. Special lectures-
 1. Delivered a lecture on 23rd January 2023 on human values in Jain sanskrit literature as pt. Chainsukh Nyayatirth memorial lecture in Shri Digambar Jain Acharya Sanskrit college, Jaipur
 2. Delivered Acharya Tulsi Endowment lecture on 28th December, 2022 on ' contribution of Acharya Haribhadra in Systematization of Jain Yoga' in the 95th Indian Philosophical congress and Asian Philosophical conference.
- Delivered a special lecture on Acharya Haribhadra on invitation of Prof. Radhavallabh Tripathi on Zoom on 24th December, 2022.

डॉ. दिलीप धींग की वार्षिक अकादमिक यात्रा

जुलाई 2022 से जून 2023 (संक्षिप्त प्रतिवेदन)

प्रकाशन

1. निर्दिष्ट अवधि में जिनवाणी, प्राकृत वद्या, श्रमणोपासक, स्वाध्याय शिक्षा, स्वाध्याय संदेश, जैन प्रकाश, शाश्वत धर्म, श्रमण संस्कृति, जैन जागृति, महावीर मशन, जैन एवेन्यू, चाणक्य वार्ता, जिणवयणं, अलख ष्टि, नागरी संगम, संस्कार कवच, बच्चों का देश, साहित्य गुंजन, शिव ध्यान धारा, अणुव्रत, जलते दीप, राजस्थान पत्रिका, हिंदी मलाप, प्रातःकाल, दक्षिण भारत राष्ट्रमत, हिंदी प्रचार समाचार, चंदन तिलक, मोक्षद्वार आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं में व भन्न वष्यों पर निबंध, शोध-निबंध, कविता, संस्मरण, प्रेरक प्रसंग आदि प्रकाशित हुए। (आप चाहेंगे तो उपलब्ध स्वतंत्र ववरण दिया जा सकेगा) व भन्न क्षेत्रों, श्रेणियों और स्तरों की दर्जनों पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से जैन दर्शन के वषय तथा जैन दर्शन से स्पर्शित अन्य वषय जैनेतर पाठक वर्ग तक, जन-जन तक पहुँचाये गये। ऐसा बहुत कम होता है। प्रायः जैन दर्शन की चर्चा जैनों के बीच ही होती है।

1. जैन दर्शन से सम्बन्धित कार्यों और कार्यक्रमों के संदेशपरक समाचारों का देशभर की व भन्न पत्र पत्रिकाओं में उचित कवरेज के साथ प्रकाशन।

प्रसारण

3. आकाशवाणी, चेन्नई से 7 मई 2023 को पद्मश्री मुनि जिन वजयजी पर और 17 मई 2023 को संवधान निर्मात्री सभा के सदस्य मास्टर बलवंत सह जी महता पर वार्ता का प्रसारण।

व्याख्यान

4. श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर की ओर से श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, कोलकाता के तत्वावधान में 24 अगस्त से 31 अगस्त 2023 अष्ट दिवसीय पर्युषण व्याख्यान।
5. फाल्गुनी (होली) चौमासी पर्व के उपलक्ष्य में श्री साधुमार्गी जैन संघ, चेन्नई की ओर से समता भवन में 5-6 मार्च 2023 को दो दिवसीय विशेष व्याख्यान।
6. अनेक ऑफलाइन और ऑनलाइन संगोष्ठियों एवं कार्यक्रमों में भाग लिया एवं व्याख्यान दिया अथवा वचार रखे। (आप चाहेंगे तो स्वतंत्र ववरण दिया जा सकेगा)

मनोनयन

7. जैन दिवाकर जयंती, 6 नवम्बर 2022 को अ. भा. श्री जैन दिवाकर संगठन स मति में साहित्य प्रकाशन एवं श्रुत संवर्धन के संयोजक के रूप में मनोनयन।
8. दिसम्बर-2022 में आचार्य हस्ती फाउंडेशन, हैदराबाद का मानद् निदेशक बनाया गया।

पुस्तकें

9. जुलाई-2022 में आचार्य कुंदकुंद प्रणीत अष्टपाहूड ग्रंथ के प्रथम अंग्रेजी संस्करण का अभुषा फाउंडेशन, चेन्नई से प्रकाशन। इसका अंग्रेजी अनुवाद कर्नल डॉ. दलपत सिंह बया ने और संपादन डॉ. दिलीप धींग ने किया।
10. 13 नवम्बर 2022 को बेंगलुरु में आयोजित रत्नवंशीय युवा सम्मेलन में डॉ. धींग द्वारा लखत पुस्तक इतिहास पुरुष आचार्य हस्ती का वमोचन। कुछ पत्र पत्रिकाओं में दोनों पुस्तकों की अच्छी समीक्षाएँ प्रकाशित।

व वध

11. आचार्य हस्ती प्रणीत जैन धर्म का मौलिक इतिहास' ग्रंथ पर आधारित डॉ. धींग द्वारा संपादित 'जैन इतिहास के प्रसंग' (भाग 1, 7 व 8) पुस्तकों पर प्रासुक जल प्रेरणा केन्द्र की ओर से ऑनलाइन और ऑफलाइन स्वाध्याय परीक्षाएँ।
12. 'जैन इतिहास के प्रसंग' (भाग 1 से 40) पुस्तकों का 'जिणवयण' (मा सक) धारावाहिक प्रकाशन हो रहा है।
13. डॉ. धींग की काव्यकृति 'पानी से दीप' की कविताओं पर करुणा इंटरनेशनल, चेन्नई द्वारा शक्षण संस्थानों में प्रतियो गताएँ आयोजित।
14. डॉ. धींग की बहुचर्चित पुस्तक 'मानवता का सत्कार शाकाहार' (द्वितीय संस्करण) पर करुणा इंटरनेशनल, चेन्नई द्वारा शक्षण संस्थानों में प्रतियो गताएँ आयोजित।
15. शसुन जैन कॉलेज, चेन्नई द्वारा प्रायोजित शोध परियोजना 'तमलनाडु में जैनों का गौरवशाली योगदान' वर्ष पर अब तक दर्जनों जैन केन्द्रों (गुफा, गुफा मंदिर, तीर्थ, शलालेख, भक्त चित्र, स्मारक, मंदिर, स्थानक, भवन, वद्व्यालय, गोशाला इत्यादि) का पर्यवेक्षण और कुछ वर्ष शष्ट महानुभावों से साक्षात्कार। यह परियोजना अभी गतिमान है।

सम्मान/पुरस्कार

16. सम्यग्ज्ञान प्रचारक मंडल, जयपुर की ओर से 17 जुलाई 2022 को पाँचवीं बार जिनवाणी लेखक सम्मान। प्रतिष्ठित पत्रिका जिनवाणी में प्रकाशित रचनाओं की श्रेष्ठता के आधार पर यह सम्मान श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के अध्यक्ष न्यायाधपति श्री प्रकाश जी टाटिया एवं अतिथियों के हाथों प्रदान किया गया।
17. जैन वद्वत् अकादमी (JAS) की सहभागीता में 11 दिसम्बर 2022 को शंखेश्वरपुरम (पालीताना, गुजरात) में आयोजित कार्यक्रम में अनेक वद्वानों के साथ जीवनोपलब्धि पुरस्कार।

18. आचार्य हस्ती फाउंडेशन, हैदराबाद (तेलंगाना) द्वारा 19 मार्च 2023 को भव्य समारोह में आचार्य हस्ती सेवा सम्मान (2022)। झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री प्रकाश जी टाटिया के हाथों यह सम्मान

मला।

19. राजस्थान की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था युगधारा, उदयपुर (उदयपुर) द्वारा 21 मई 2023 को युगधारा सम्मान। डॉ. कुन्दन लाल जी कोठारी, डॉ. देव जी कोठारी, डॉ. सुरेन्द्र सिंह जी पोखरणा, डॉ. ज्योतिपुंज आदि के हाथों यह सम्मान मला।

20. अरिहंत गरी के भट्टारक श्री धवलकीर्ति द्वारा 8 जून 2023 को प्राचीन जैन तीर्थ तिरुमलै (तमिलनाडु) में डॉ. धींग का सम्मान।

21. आचार्य भिक्षु आलोक संस्थान, केलवा (राजसमंद) द्वारा वर्ष 2023 के आचार्य भिक्षु प्रज्ञा सम्मान के लिए चयन।

Dr. Dhruti Rathi

Report on Symposium on Dating of Mahavir Nirvana

International School of Jain Studies organized an international Symposium on the Dating of Mahavir Nirvana in July 2022. The date of Mahavir Nirvana varies between what the Jain traditions believe and what historians believe it to be. Popular opinion favours Mahavir as a contemporary of Buddha, as also concurred by early Western historians. However, some modern historians have brought down the date as close to the 4th century BCE instead of the earlier 6th century BCE, and some have presented a gap of around 600 years between Mahavir and Buddha Nirvana. The date of Mahavir Nirvana currently accepted by the Jain traditions is 527 BCE.

The Symposium attracted more than 25 scholars who presented their views in person and online. The Symposium was organized from July 8-July 10 at Pune with the generosity of Amar Prerna Trust.. The convener of the Symposium was Mr Pankaj Shah of JAINA. The leadership included Dr Shugan Jain, Dr Sulekh Jain, and Dr Shrinetra Pandey. The session chairs included experts from various fields as Prof Maruti Nandan Tiwari and Prof Bimalendra Kumar Patil of Benares Hindu University and archaeological expert Dr Vasant Shinde as well as distinguished Dr Jhamkhedkar, Ex- Chairman, Indian Council of Historical Research.

The Symposium participants included JAS members Dr Shugan Jain, Pankaj Shah, Pt. Jitubhai Shah, Dr Rajmal Jain and Dhruti Ghiya Rathi. The moderators and session chairs of the symposium were appreciative of the task and efforts of the Jain community on an important historical marker.

Engagements over the past year:

- The Contemporaries of Mahavir - Research paper at Symposium on Dating of Mahavir Nirvana, ISJS July 2022
- Jainism and Environment - Article in Jain Avenue- February 2023
- Editorial on Emperor Vikramaditya- Article in Jain Avenue- May 2022
- Seated Jain Tirthankar at the Metropolitan Museum of Art, New York- Article in Jain Digest June 2023
- Associate Publisher for Jain Avenue in February 2023.
- Editorial team for Jain Digest Magazine, a JAINA publication June 2023

Dr. indrachand dudhedia

1. WhatsApp messages on Samayik/Pratikraman of around 500 words sent everyday (6 groups: over 1000 members direct)

2. Small messages of around 50 words sent every day since April 22. 1000 members in the first three months. The number is growing and has crossed 1500 by April 23. The topics include various sciences in Jain Darshan, Micro-analysis, Antiquity, History, Humanities etc.

3. Published Articles

A) Arahata Wachan, Indore, Madhya Pradesh

i) "Ahimsa Tattwa: Panch Bandar" (in Hindi) April-December 22 (53-56)

(Three others are pending as publication work was dislocated during Corona Pandemic)

B) Jaindoot: House Magazine of Arihanmargi Jain Mahasangh, New Delhi.

i) "Wishwa-Wigyan: Saseem Lok, Aseem Alok" (in Hindi) April 22

ii) "Jain Padarth Wigyan: Drawya" (in Hindi) June 22

iii) "Jain Padarth Wigyan: Paramanu" (in Hindi) July 22

iv) "Ahar Wiwek: Sukshma Drishti" (in Hindi) Aug 22

v) "Pey Wiwek: Sukshma Drishti" (in Hindi) Sept 22

vi) "Pey Wiwek 2: Sukshma Drishti" (in Hindi) Nov 22

vii) "Ahar Wiwek: Kshetra Wiwaksha" (in Hindi) Dec 22

C) Jain Parampara, Pune, Maharashtra.

"Waigyanik Mahaveer" (in Hindi) April 22

D) Atmoddharak, Ujjain (Madhya Pradesh).

i) "Ban Sakte Ho Parmatma" (in Hindi) April 22

ii) "Anuttar Kala: Darshan" (in Hindi) May 22

4. Book "Meri Samayik Hoti Hai: Illustrated" (in Hindi) (over 350 pages completed; facing problems in publication)

5. Book "Nirantar Warddhishnu Warddhaman Mahaveer" (in Hindi, plan to have English version as well) (writing in progress; 320 pages completed, some 40-50 pages more are to be written; includes certain scientific explanations on certain phenomena in the life of Teerthankar Mahaveer. Planned to publish on 2550 Nirwan Day of Teerthankar Mahaveer.) (contd)

6. Blogs (in English, each about 450-500 words) and

7. Wordpress Messages (in Hindi/English, each about 450-500 words)

i) July 22 - Bhagwan Mahaveer: The Peerless Scientist

ii) July 22 - Bhagwan Mahaveer: The Matchless Particle Physicist

iii) July 22 - Bhagwan Mahaveer: The Physicist Beyond Compare

iv) July 22 - Bhagwan Mahaveer: The Peerless Meta-Physicist

v) Aug 22 - Bhagwan Mahaveer: The Wondrous Embryologist

vi) Aug 22 - Bhagwan Mahaveer: The Supernatural Chemist

vii) Aug 22 - Bhagwan Mahaveer: The Incredible Psychologist

viii) Aug 22 - Bhagwan Mahaveer: The Buoyant Biologist

ix) Aug 22 - Bhagwan Mahaveer: The Mathematical Genius

x) Sept 22 - Bhagwan Mahaveer: The Penetrating Para-Psychologist

xi) Oct 22 - Bhagwan Mahaveer : The Leading Management Guru

8. Webinars on Zoom (25-40 minutes) (Hindi/English mixed) followed by Q/A sessions

i) April 22 - Jain Darshan: Waigyanik Bhagwan Mahaveer

ii) May 22 - Jain Darshan: Antiquity/Prachinata

iii) Jun 22 - Jain Darshan: Cosmology/ Wishwa Rachna

iv) Jul 22 - Jain Darshan: Originality of Jain Physics? Jain Padarth Wigyan kee Maulikata

v) Aug 22 - Jain Darshan: Leadership of Psychology/ Manowigyan kee Agraganyata

vi) Sept 22 - Jain Darshan: Ingenuity of Mathematics/Ganit kee Wichkshanata

vii) Oct 22 - Jain Darshan: Alchemy of Chemistry/ Rasyan Wigyan kee Kimaya

viii) Nov 22 - Jain Darshan: Primacy of Biological Sciences/ Jaiw Wigyan kee Pradhanata

ix) Dec 22 - Jain Darshan: Subtlety of Embryology/ Bhroonwigyan kee Ati Sukshmata

x) Jan 23 - Jain Darshan: Superiority in Management Science/ Wyawasthapan Wigyan Kee Waishthata

xi) Feb 23 - Jain Darshan: Continuity of Para-Psychology 1 /Para-Manowigyan kee Akhandata 1

xii) Mar 23 - Jain Darshan: Coniniuty of Para-Psychology 2/ Para-Manowigyan kee Akhandata 2

9. Lectures on Samayik:

i) Two Lecture on "Scientific Aspects of Samayik" before A group of 55-65 women in Malkapur, Maharashtra Aug 22, followed by Q/A session.

ii) A lecture on "Samayik Fundamentals" before a group of 60-70 women at Jalgaon in Feb 23 followed by Q/A session.

Dr. Jeorai Jain

A) Awards/Honours:

I have received following Awards

i) "Vigyan Ratan Award" from Gyan Sagar Foundation, Delhi..

ii) "Acharya Shri Hasti Smriti Award" from the अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

iii) "Life Time Achievement Award" from MBM Engg College Alumni Association, Jodhpur

iv) "Life Time Achievement Award" from Shankheshwaepuram Vigyan City Trust

B) Papers Published/ submitted

i) "Bhasmi-Jal" An indigenous Health Drink, EverthingAboutWater, Jan. 2022, www.eawater.com/eMagazine.

ii) "Reproduction in the Water-Bodied Living-Being"s, International Research Journal of Engineering and

Technology (IRJET), Volume 09, Issue: 02, www.irjetnet., Feb 2022

iii) "Decoding the Original Technique to Describe the Contents of Loka," , Proceedings of Jain Academy of

Scholars, vol. 1(2), p 64 – 72,

iv) "Various Characteristics of Human Cells"Jain Journal, Issue 1, April 2022, Vol 57, p 4 – 13,

www.jainbhawan.in , latabothra@gmail.com

v) "Ahimsā for Protection of Environment" Jain Avenus, Vol #2 | Issue #6 | Jan 2022

vi) "Decoding the Original Technique to Describe the Contents of Loka," , Proceedings of Jain

Academy of Scholars, vol. 1(2), p 64 – 72,

vii) Reinterpretation of Loka by Statistical Method Resolves many Contradictions with modern Cosmology

Proceedings of Jain Academy of Scholars, vol. 1(2), p73– 81,

C) Paper presented :-

i) At special RTM by JAS on 31.08.2022 on Zoom, "Statistical Model to present the contents of Loka." It was

unanimously accepted to be true by the Acharyas of all the four sects of Jainism

ii) एक "क्रान्तिकारी" आविष्कार, World Conference on Spiritual Sciences 22, New Delhi

iii) "Did Bharat Chakravarti's Campaign brought America under his Suzerainty", Paper presented at

Conference in Bengaluru, jainseminar.ju@gmail.com 29.6.22

D) Paper Sent for publication:-

11Understanding Dravy Vargana, JAS for Proceedings Publication 14/17.3.23)

Dr. N. L. Kachhara

1. Book publication

Primer of Principles of Jain Philosophy

2. Course development

Jointly with Samani Chaitanya Prajna ji developed a PG level course on Karma and Science (or Genetic Science and Karma) to be offered at Florida International University, USA. The course is designed to enable the students to appreciate and to gain in-depth knowledge of working of doctrine of karma in scientific perspective. The course consists of 30 lectures delivered by subject experts. The lectures on ppt have been recorded and uploaded on Google classroom platform of the University. Fifteen lectures of the course have been prepared by me. The course is currently being offered online globally.

Dr. Paras Mal Agrawal

Samayasara,

Translation and annotation in English,

[Samarpan Charitable Trust, Udaipur. Pages 564 Hard bound, A4 size].

Dr. Shugan C Jain

1. Date of Mahāvīra nirvāṇa - Co authored the paper presented in the international seminar on the subject.
2. Organised the two days international seminar in association with Jain ALC USA
3. Got the book Jain Business engagements and ethics published. I have contributed more than 50% content and is the main editor of the book
4. Designed, developed and offered Rhythm of Life retreat (a wellness program) with my daughter Mrs Anita P Jain
5. Developed Value education program for Jain schools
6. Taught several classes (both online and physical) on various topics of Jainism in ISJS programs
7. Initiated the following projects by ISJS
 - Launched the project 'Online English Prakrat dictionary 'Pāia-sadda-mahaṇṇavo - a comprehensive Prakrit-Hindi Dictionary compiled by Pt. Hargovind Das Trikam Chand Sheth, first published in 1928'
 - Book on Applications of Anekant by scholars from all over the world
 - Enhancing research and writing skills of Indian scholars of Jainism training program
8. Management of ISJS operations

Dr. Surendra Singh Pokharna

Proceedings of a conference Paper:

Forty seven shakties of aatma described in Jainism indicates that it is a hologram submitted for an International Conference on "Exploring Consciousness for the Future of Science, Technology and Humanity" From AI to Non-Locality, being Jointly organized from September 22-24, 2022 by India Foundation and National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS) (Accepted for publication and will be published shortly).

Lectures/Webinars delivered:

47 shakties of aatma in Jainism indicates a holographic model" on Dec 31, 2022 and January 9, 2023 at Dr D S Kothari Institute for Research and Education in Udaipur.

A holographic model of aatma as indicated by 47 shakties in Jainism being supported by Nil-potent Quantum Mechanics may solve many problems of the modern world was delivered in

the “World Conference on Spiritual Sciences”, dated December 3-4, 2022 being organized by Gyan Sagar Foundation, New Delhi

“Dravya Himsa and Environmental degradation”, under the Theme- Solution to Environmental issues by way of micro non-violence, being organized by Spiritual Technology Research Foundation (STRF), a Mumbai based NGO on October 27, 2022.

Save Earth Movement and Gandhian Philosophy of Non-violence etc. Practical Tips on August 23, 2022 in the Gandhi Aur Swantrata Senani. Organization of Jaipur.

Need of Ahimsa (Non- Violence) to save Earth: Scientific prospective” on July 15, being organized by the Gyan Sagar Science Foundation

Organizing a special function in collaboration with Shri SankheshwaraPuram on November 5-6, 2022 at Paldi Ahmedabad :

A preliminary meeting of many scientists, Doctors, and Jain scholars was organized from November 5-6, 2022 at Paldi in Ahmedabad to know basic views of scholars on science and Jainism and possible future plans.

Organizing a special function in collaboration with Shri Sankheshwara Puram on December 11 at Palitana:

Played a lead role to help Shri Shankheshwar Puram organization to plan “Vigyan Tirth” project for starting researches, training programmes and a museum for studies on “Science and Jainism”. These multidisciplinary and multi-institutional activities would require involvement of experts from widely different disciplines. Dr. DS Kothari institute, Jain Academy of Scholars, Science and Spirituality Research Institute and Vigyan Samiti may help in their project on Vigyan Tirth. It culminated in a big program on Dec 11, 2022 at Vigyan Tirth.

Dr. Vijay Sancheti

I am appointed as Co-Ordinator of Jain Vidya Exams for (2022 -2024) undertaken by Saman Sanskriti Sankay Jain Vishv Bharati Ladanun. This is my third term consecutively from 2020 🌸

🌸 I have Joined Jain studies programme from Florida university about science and Jain philosophy in Genetics and Karmvad and also completed Course in Pragyapana sutra and course in science and Ahimsa. I gave two presentations on - 1. Sangyapad Pragyapanasutta and instincts according to modern science 2. Environment- pollution Water Air Sound and its prevention

Dr. Narendra Bhandari

JAS has entered into cooperation/collaboration on topics related to Jain philosophy with the following Institutions during this year:

1. Guniaji Tirth Trust, Bangalore
 2. Jain university, Bangalore
 3. Sumandeep Vidyapeeth Deemed University, Baroda
 4. Shankheswar Parasnath Gyan kendra Karuna Trust, Palitana
- And is trying to work on some study projects with**
5. International School for Jain studies, Pune

Papers/articles published during 2022-23

1. Anekantavada in the context of Quantum Physics by Narendra Bhandari (2023), appeared in Consciousness in Science and Jain Philosophy, Samani Chaitanya Prajna and P. Sanchetee (Editors), Proceedings of International Conference on Science and Jain Philosophy held at Florida International University, Miami, USA
2. **Narendra Bhandari**, Scientific foundation and practice of Ahimsa, Encyclopedia of Non-violence, book by Acharya Shri Nandkishore, 2022, pp-588-593, Prakrit Bharati Academy, Jaipur.
3. **Narendra Bhandari**, Jain Dharma : darshan and practice, Jain Avenue, Dec. 2022, pp-3.
4. Narendra Bhandari, Scientific foundation of Anekantavad, Syadvada and Nayavada and the nature of the Truth, In Anekantavada, Prakrit Bharti Academy, Jaipur, 2023 (submitted).

Papers/lectures presented at conferences

5. **Narendra Bhandari**, What Jain Darshan really is? Talk given at Jain centre of North America, Milpitas, 12th November, 2022
6. **Narendra Bhandari**, Trials, Travails and Tribulations of modern Earth over its geologic history and Jain philosophy to rescue us from an imminent disaster, paper presented @ International Conference to sustain Mother Earth, Udaipur, 22-24 April, 2023.
7. **Narendra Bhandari**, जैन दर्शन के वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता, Talk given at Sankheshwaram Vigyan Tirth Karuna Trust, Palitana, 11th December, 2022.

Journals Published/Edited by Narendra Bhandari

1. Proceedings of Jain Academy of Scholars 1 (3), Gyan Mimamsa Ank, L. C. Jain and Narendra Bhandari , Chief Editors, July. 2022.

Padam Shri Dr. Sudhir Shah

Just finished writing the book : Sukhopanishad now going for printing.

Awards :

1. Torch bearers of Medicine of India award , TOI new Delhi
2. Pride of India , awarded at Gujarat
3. Gujarat gaurav Ratna award , mantavya channel
4. Life time achievement award
5. FRCP London fellowship award.

An International conference for Saving Earth and Environment: As decided earlier, An International conference entitled “International Conference to Sustain the mother Earth: A road map towards saving mother Earth” (For which, Science and Spirituality both are required) was being organized from April 22-24, 2023 at Dr. D S Kothari Institute office (Vigyan Samiti campus) at Udaipur (Rajasthan), India. First Circular was released on Basant Panchami which was incidentally 71st anniversary of Republic day that is January 26. It was jointly organized by Dr. Daulat Singh Kothari Institute for Research and Education, Udaipur, Shri Shankheshwar Puram Vigyan Tirth, Palitana, Gujarat, Vigyan Samiti, Udaipur, Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur, Jain Academy of Scholars, Ahmedabad, Science and Spirituality Research Institute, Ahmedabad, Global Peace Organization, Dubai, JAINA India Foundation (a unit of Jain Association of North America (JAINA), USA), Shruta Ratnakar, Ahmedabad and Shankheshwar and Rajasthani Bhasha and Sanskriti Prachar Mandal, Ahmedabad.

The international conference was highly successful and more than sixty abstracts were received from scholars from widely different disciplines like Zoology, Botany, Space Science, Technology, Philosophy, Social sciences and many others. Conference was inaugurated by Dr. Nilesh Desai, Director, Space Application Centre, ISRO, Ahmedabad. Mahapor Udaipur Engineer Govind Singh Tank and Mr. Sanjeev Sharma, Secretary, Shree Shankheshwar Puram Teerth were special guests. Dr. Sushma Singhvi Eminent Jain Scholar Presided over the function. Dr. Surendra Singh Pokharna, was the Program director of the conference.

About total 65 delegates registered for the conference. Out of this 06 delegates were from abroad. 46 delegates delivered invited lectures and there were paper presentations. Presentations were divided into following sessions- Scientific, Spiritual, Science and Spirituality, Religious perspectives, Health Happiness, Ahimsa, peace and others. There were case studies also. The spirit of Palitana Declaration was clearly exhibited in the conference as there were scientists from Indian Space Research Organization (ISRO), National Institute of Advanced Studies (NIAS), Indian Institute of Science (IISc.) and others. Experts have explained the seriousness of the problem in areas like decrease in number of living beings, decrease in number of biological species and a fear of six extinction of the Earth along with land degradation, glacier melting, increase in carbon di-oxide, destruction of ozone layer, decrease in wetlands (both number and areas wise) through satellite data and other evidences. However, monitoring and forecasting capabilities of our country in these areas was also mentioned. Many consequences like decrease in biodiversity, land degradation, decrease in areas of wetland, future increase in water level, increase in global temperature and fluctuations in weather parameters, thinning of ozone layer and others, which will affect not only weather, but agricultural production and economies also at various levels. Damage done to the atmosphere by parts of unused and damaged satellites was also mentioned.

On the other hand there were speakers from social sciences, religious institutions, philosophy and others. Educationists and Vice Chancellors who attended this conference suggested actions to be taken to have new thinking to review the current value system and criteria of development based only on economics and need to appreciate the values based on Jainism, Sanatan Dharma and Gandhian values like Ahimsa, Satya, Brahmacharya, Aparigraha, Acharya and Anekantvada.

There were presentations to highlight limitations of the modern science and to go beyond it towards domain of spiritual knowledge which could be much bigger than the domain of scientific knowledge.

Display of forty banners on ahimsa

Forty banners showing the importance of Ahimsa and prepared by Shri Nikhil Shah, trustee of Jain Academy of scholars were displayed for all three days during the conference.

Two hundred copies of an abstract book has been published and distributed among participants and many members of the participating institutions.

Planning and Execution of Vishwa Ahimsa Diwas for October 2, 2022

A function was organized on October 1, 2022 at Vigyan Samiti Parishad in Udaipur in association with Dr. D S Kothari Institute for Research and Education, Udaipur and Vigyan Samiti. The main speakers were as follow:

Dr. Surendra Pokharna welcomed the participants and explained a need for celebrating this day as the Earth is moving towards sixth extinction due to large scale killing of animals and insects and other living beings due to climate change, increasing population, pollution, greenhouse effect and other factors. Shri Jagat Singh Pokharna chanted a poem related with ahimsa. Dr. Kamal Prakash Talesara anchored the programme with excellent commentary.

●Prof. Dr. Hitesh kumar A. Solanki, Head, Environmental Science Department, Gujarat University, who spoke on “Non-Violence (Ahimsa) :War and Climate Change”. The armed conflicts badly harm the environment and it is described in many reports that wars harm different aspects of environment which includes both before and after effects to environment. Mahatma Gandhi Said “Non-violence is the greatest force at the disposal of mankind. It is mightier than the mightiest weapon of destruction devised by the ingenuity of man.” As per Bhagvan Mahavir , “Kill not, Cause no pain. Nonviolence is the greatest religion.”

●Dr. Ramjan Hasaniya, assistant professor of Gujarati in Government college, Rapad, Bhuj in Gujarat gave a brilliant webinar about need for ahimsa in the modern time and details concept of ahimsa in different religions religions and emphasized that all religions talks about non-violence. Time has come when we should propagate concept of ahimsa to save the Earth from environmental degradation.

●Father Shri Ravi talked about a need to have multi religious committee to bring people from different religions closer to each other for spreading the concept of ahimsa on a large scale. He gave an example of how a multi-religious committee tried to reduce tension among members of different communities after an unfortunate incident of a death in Udaipur on June 28, 2021.

Dr. Kundan Lal Kothari spoke about ahimsa as foundation of Jainism.

Soft copies of folders having four small coloured pages were posted on various groups and facility was given to use names of individual institutions names and requested to circulate them in different groups.

Hard copies Prepared in past (Four small coloured pages) for celebrating the Vishwa Ahimsa Diwas and hard copies of seventy five activities to save the Earth were distributed in Udaipur and Ahmedabad. Similarly stickers for saving water were also distributed.

In Ahmedabad, a competition for making digital posters on Vishwa Ahimsa Diwas.

Forty organizations who have participated in various programmes in past to celebrate this day were given soft copies of of these with names of their organizations to distribute these posters in their respective groups.

5. Proceedings of the JAS: JAS decided to publish its proceeding (JASP)

First issue devoted to synthesis of Jain Darshan and science is published in October, 2020 as a soft copy and was printed as a hard copy in July, 2021.

The second issue is based on topics related to Loka and was published as a soft copy in March, 2022, with Dr. Jeoraj Jain as Guest Editor and was printed as a hard copy in March.2022.

The third issue is based on Jñāna-mimāṃsā was published in July, 2021 with Dr. Anil Jain as the Guest Editor and was printed as a hard copy in August, 2022.

The fourth issue is going to be based on Scientific aspects of Dravya

6. JAS Annual Awards: Three global awards: Lifetime Achievement award, Excellence Award and Appreciation Award have been instituted by JAS, to recognize and encourage work done by scholars who contribute to Jain Darshan and dissemination of Jain philosophy and life style. The award consists of a Trophy and a citation.

The awards for the year 2023 have been given to:

- i) Dr.: Life Time Achievement Award-2023**
- ii) Dr.: Excellence Award-2023**
- iii) Dr.: Appreciation Award-2023**

7. Collaborate with other academic Institutions:

JAS / SSRI has entered into academic collaboration with Suman Deep Vidyapeeth, Baroda, GJI JAIN university, Bangalore and Shankheshwar Parashvanath Karuna Trust, Palitana, while our activities with Shri Guniaji Teerth Trust, Bangalore and Spirituality Technology Research Foundation, Mumbai are continuing. We have also taken up some activities with ISJS, Poona and Shrut Ratnakar, Ahmedabad. All Fellows are welcome to work with these institutions on activities of mutual interest.

8. Publications: Several papers have been published by Fellows in various journals. The list is being updated in JAS Newsletter.

9. Statement of Accounts is attached herewith. (will be given by Mr. Uday)

Summary of Membership fee received is given below.

Membership fees (INR)

Fellow	11000/- Lifetime
Member	5000/- Lifetime or 1000/- per year.
Student Member	500/- pa for a maximum of 5 years
Foreign Fellow	USD \$ 300 (or equivalent) Lifetime
Foreign Member	USD \$ 50 per year, \$200 life time

We are grateful to Logous Technology for providing space for Head Quarter of Jain Academy of Scholars.

We are grateful to the Award Committee consisting of Dr. Dharm Chand Jain as Chairman, Dr. Sushma Singhvi and Dr. Mahaveer ji Sisodiya for doing a very tough task.